.. shlokas and mantras for sUryanamaskAra ..

॥ सूर्यनमस्कार मन्त्र ॥

ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डल मध्यवर्ति ।
नारायणः सरसिजासन्संइविष्टः ।
केयूरवान मकरकुण्डलवान किरीटी ।
हारी हिरण्मयवपुधृ।र्तशंखचक्रः ॥

ॐ मित्राय नमः ।
ॐ रवये नमः ।
ॐ सूर्याय नमः ।
ॐ भानवे नमः ।
ॐ खगाय नमः ।
ॐ पूष्णे नमः ।
ॐ हिरण्यगर्भाय नमः ।
ॐ मरीचये नमः ।
ॐ आदित्याय नमः ।
ॐ सवित्रे नमः ।
ॐ अर्काय नमः ।
ॐ भास्कराय नमः ।

ॐ श्रीसवितृसूर्यनारायणाय नमः ॥
आदितस्य नमस्कारान् ये कुर्वन्ति दिने दिने ।
जन्मान्तरसहस्रेषु दारिद्र्यं दोष नाशते ।
अकालमृत्यु हरणं सर्वव्याधि विनाशनम् ।
सूर्यपादोदकं तीर्थं जठरे धारयाम्यहम् ॥
योगेन चित्तस्य पदेन वाचा मलं शरीरस्य च वैद्यकेन ।
योपाकरोत्तं प्रवरं मुनीनां पतंजलिं प्रांजलिरानतोऽस्मि ॥

Encoded NA

Document Info

Text title :	sUryanamaskAra mantra
Author :	
Language :	Sanskrit
Category :	mantra, navagraha
Subject :	philosophy \hinduism \religion
Description/Comments :	????Source
Transliterated by :	NA
Proofread by :	
Latest update :	November 1, 2010

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

suryanamaskArmantra.pdf
was typeset on January 18, 2015 using XeLaTeX

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*